जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

अजमेर

Rashtradoot

फोनः- 2627612, 2427249 फैक्सः- 0145-2624665 वर्षः 30 संख्याः 15 प्रभात अजमेर, गुरुवार 14 अगस्त, 2025 आर.जे./ए.जे./73/2015-2017 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

लोकसभाध्यक्ष के ऑफिसर ऑन स्पैशल ड्यूटी राजीव दत्ता एक बार फिर खबरों में छाये

अधिवक्ता शेखर मेवाड़ा ने राष्ट्रपति मुर्मू व प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखकर मांग की है, कि ओ.एस.डी. दत्ता को उनके पद से हटा देना चाहिये

- रेणु मित्तल -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली,13 अगस्त। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला के ऑफिसर ऑन स्पेशल ड्यूटी (ओएसडी) राजीव दत्ता एक बार फिर विवादों के घेरे में हैं। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र भेजे गए हैं, जिनमें मांग की गई है कि राजीव दत्ता को उनके पद से हटाया जाए, क्योंकि वे एक अत्यंत संवेदनशील पद पर बैठे हैं।

इसके साथ ही एक संबंधित घटनाक्रम में, राजीव दत्ता के खिलाफ हाई कोर्ट द्वारा आदेशित एफआईआर अब तक दर्ज नहीं की गई है।

राजस्थान हाईकोर्ट में कार्यरत अधिवक्ता शेखर मेवाड़ा ने राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मु को पत्र लिखा है, जिसका विषय हैः " राजीव दत्ता ओएसडी लोकसभा स्पीकर के विरूद्ध दो 07 वर्षीय नाबालिग बच्चों की मानव तस्करी करने एवं मानव तस्करी के अपराध से बचने के लिए अपने 81 वर्षीय पिता व 74 वर्षीय माता को इन दोनों बच्चों के फर्जी माता-पिता दर्शाते हुए फर्जी जन्म प्रमाण पत्र, आधार कार्ड एवं पासपोर्ट तैयार करने एवं इसकी शिकायत करने वाले एडवोकेट शेखर मेवाड़ा पर प्राण घातक हमला, अपहरण करने व बंधक बनाने के आपराधिक मामलों में माननीय उच्च न्यायालय, जयपुर द्वारा उसके विरूद्ध एफआईआर दर्ज कर अनुसंधान करने संबंधी पारित आदेश दिनांक 01.08.2025 के परिणाम स्वरूप उसे निलम्बित करने एवं ओएडी पद से पदमुक्त करने के संबंध में।"

- क्योंकि, वे एक बहुत ही संवेदनशील पद पर कार्यरत हैं, तथा उनके खिलाफ राजस्थान हाईकोट ने एफ.आई. आर. दर्ज कराने के आदेश दिये हैं, पर उनके प्रभाव के कारण अभी तक एफ.आई.आर. तक दर्ज नहीं हुई है।
- पत्र में इस पूरे घटनाक्रम का पूरा विवरण, विस्तार से वर्णित है, तथा फोटोग्राफ भी संलग्न है।
- राजस्थान हाईकोर्ट एसोसिएशन जयपुर तथा राजस्थान हाईकोर्ट जोधपुर के अध्यक्षों के पत्रों को भी शेखर मेवाड़ा ने संलग्न किया है। इन पत्रों में शेखर मेवाड़ा को सुरक्षा प्रदान करने की मांग की गई है।

इस पत्र में प्रार्थना हैः " 1. किसी भी सरकारी अधिकारी/कर्मचारी के विरूद्ध 'मॉरल टरपिट्यूड' से संबंधित एफआईआर अनुसंधान की स्थिति में उसके निबंधन का सेवा नियमों में प्रावधान है।

2. श्री राजीव दत्ता ओएसडी पद पर हैं तथा उनके विरूद्ध किसी व्यक्ति विशेष द्वारा सीधी एफआईआर नहीं करवाकर, माननीय उच्च न्यायालय ने सभी तथ्यों का परीक्षण कर, एफआईआर व अनुसंधान के आदेश दिए हैं। अतः ऐसी गंभीर स्थिति में किसी संवैधानिक पद के ओएसडी जैसे महत्वपूर्ण पद पर बने रहना न केवल लोकसभा स्पीकर की गरिमा के खिलाफ है, परंतु भारतीय संविधान की भी तौहीन है।

3. लोकसभा स्पीकर का पद सर्वाधिक महत्वपूर्ण संवैधानिक पद है, जिसके सामने नीचे खड़े होकर प्रधानमंत्री तक अपनी बात लोकसभा में रखते हैं।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

बाबूलाल कटारा को शिक्षक भर्ती पेपर लीक में जमानत नहीं मिली

जयपुर, 13 अगस्त। राजस्थान हाईकोर्ट ने द्वितीय श्रेणी शिक्षक भर्ती-2022 पेपर लीक मामले में आरपीएससी के सदस्य रहे आरोपी बाबूलाल कटारा को जमानत देने से इनकार कर दिया है। जस्टिस प्रवीर भटनागर की एकलपीठ ने ये आदेश बाबूलाल कटारा की जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए। अदालत ने कहा कि आरोपी पर गंभीर किस्म के आरोप हैं। उसने आरपीएससी के सदस्य के तौर पर संवैधानिक पद पर रहते हुए यह कृत्य किया है। ऐसे में उसे जमानत नहीं दी जा सकती। दूसरी ओर अदालत ने मामले में बाबूलाल कटारा के भांजे विजय कुमार डामोर को जमानत दे दी है।

- आरोपी बाबूलाल कटारा राजस्थान पब्लिक सर्विस कमीशन के सदस्य थे।

बाबूलाल कटारा की ओर से जमानत याचिका में कहा गया कि उसके खिलाफ पेपर लीक को लेकर उदयपुर के बेकरिया थाने में मामला दर्ज कराया गया था। वह 18 अप्रैल, 2023 से जेल में बंद है, जबकि आधा दर्जन सह आरोपियों को सुप्रीम कोर्ट से और दो आरोपियों को हाईकोर्ट से जमानत मिल चुकी है। मामले में उसके खिलाफ पेश आरोप पत्र में ट्रायल भी शुरू नहीं हुई है। इसकी सुनवाई पूरी होने में लंबा समय लगेगा। इसलिए उसे जमानत पर

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

उपराष्ट्रपति पद के लिए किसी जाट नेता को प्रत्याशी बनाएगी कांग्रेस?

कांग्रेस के अन्दरूनी सूत्रों ने कहा, सतपाल मलिक के निधन व धनखड़ प्रकरण के पार्टी जाट समुदाय को एक मजबूत संदेश देना चाहती है

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 13 अगस्त। भारत के अगले उपराष्ट्रपति की दौड़ चुपचाप एक बड़े राजनीतिक शतरंज के खेल में बदलती जा रही है, जिसमें कांग्रेस और भाजपा दोनों ही अपने अंतिम पत्ते छिपाकर रखे हुए हैं।

हालांकि कांग्रेस ने अभी तक अपने उम्मीदवार की आधिकारिक घोषणा नहीं की है, लेकिन पार्टी के सूत्रों ने पुष्टि की है कि भाजपा के अधिकृत उम्मीदवार के खिलाफ एक वरिष्ठ जाट नेता को उतारने पर गंभीर विचार-विमर्श चल रहा है। रणनीतिकारों का मानना है कि यह कदम जाट समुदाय को एक प्रतीकात्मक, लेकिन प्रभावशाली संदेश दे सकता है, खासकर ऐसे समय में, जब वरिष्ठ जाट नेता सत्यपाल मलिक के हालिया निधन और एक अन्य जाट, जगदीप धनखड़, को अचानक पद से हटाने जैसी घटनाएं हुई हैं।

पार्टी के अंदरूनी सूत्रों का कहना है कि इस तरह की उम्मीदवारी हरियाणा, पंजाब, पश्चिमी उत्तर प्रदेश और राजस्थान जैसे जाट-बहुल क्षेत्रों में गहरी पकड़ बना सकती है, अर्थात वे क्षेत्र जहां कांग्रेस अपने जनाधार को मजबूत करना चाहती है। समय भी विशेष रूप से पंजाब के लिए अहम है, जहां महज 18 महीने बाद विधानसभा चुनाव होने हैं।

- कांग्रेस को उम्मीद है इससे हरियाणा, पश्चिमी उत्तर प्रदेश और राजस्थान की जाट बैल्ट में पार्टी का प्रभाव बढ़ सकता है।

दूसरी ओर, भाजपा की निर्णय प्रक्रिया भी उतनी ही जटिल प्रतीत हो रही है। अटकलों के बावजूद, पार्टी ने अब तक अपने उम्मीदवार की घोषणा नहीं की है, और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ अपने पसंदीदा नाम को आगे बढ़ाने के लिए दबाव बना रहा है। वरिष्ठ भाजपा नेताओं के अनुसार, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी स्वयं नामों की समीक्षा कर रहे हैं और हाल ही में अनौपचारिक संपर्कों के जरिए आरएसएस को अपने संकेत दे चुके हैं।

ऐसा ही एक संकेत उस समय देखा गया, जब पूर्व राजस्थान मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने प्रधानमंत्री आवास पर एक अप्रत्याशित मुलाकात की। इस बैठक ने पूरे राजनीतिक गलियारे में चर्चा को जन्म दे दिया है, क्योंकि राजे के संबंध मोदी और गृह मंत्री अमित शाह से पिछले कुछ वर्षों में तनावपूर्ण रहे हैं। हालांकि भाजपा के सूत्र इस मुलाकात को ज़्यादा महत्व न देने की बात कह रहे हैं, कुछ लोग इसे एक संभावित 'ट्रायल बैलून' मान रहे हैं - या तो आरएसएस की प्रतिक्रिया जानने के लिए, या फिर किसी ऐसे सर्वमान्य चेहरे को परखने के लिए, जो विभिन्न गुटों को स्वीकार्य हो।

यदि कांग्रेस वास्तव में किसी प्रमुख जाट नेता को मैदान में उतारती है, तो यह मुकाबला एक सामान्य संवैधानिक चुनाव से बदलकर ग्रामीण और कृषि मुद्दों पर केन्द्रित एक राजनीतिक जनमत संग्रह बन सकता है। भाजपा के लिए आरएसएस के वैचारिक प्रभाव और चुनावी यथार्थवाद के बीच संतुलन बनाना एक नाजुक कार्य होगा,

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

रूडी के पैनल में विपक्षी दलों को भारी प्रतिनिधित्व दिया गया

इसी रणनीति ने रूडी को कॉन्स्टिट्यूशन क्लब का चुनाव जितवाया

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 13 अगस्त। कॉन्स्टिट्यूशन क्लब ऑफ इंडिया (सीसीआई) के चुनाव परिणामों को आज मोदी-शाह जोड़ी के लिए एक झटके के रूप में देखा जा रहा है, क्योंकि मौजूदा भाजपा सांसद और पूर्व मंत्री राजीव प्रताप रूडी ने दो बार के पूर्व लोकसभा सांसद संजय बाल्यान को हरा दिया, जिन्हें पार्टी के शीर्ष नेतृत्व का समर्थन प्राप्त था।

'भाजपा बनाम भाजपा' की यह तगड़ी लड़ाई बुधवार तड़के समाप्त हुई, जब सारण से भाजपा सांसद रूडी ने कॉन्स्टिट्यूशन क्लब ऑफ इंडिया के प्रतिष्ठित चुनाव में अपनी ही पार्टी के बाल्यान को 100 वोटों के अंतर से हरा दिया।

कुछ भाजपा नेताओं का कहना है कि बाल्यान को पूरी तरह से अमित शाह का समर्थन प्राप्त था, और इस हार की व्याख्या इस रूप में की जा रही है कि आगामी उपराष्ट्रपति चुनाव में भी ऐसा ही परिदृश्य संभव हो सकता है। वहीं, कुछ नेता इस संभावना को यह तर्क देते हुए नकार रहे हैं कि मोदी-शाह की पार्टी और सहयोगी सांसदों पर बहुत मज़बूत पकड़ है। इसके अलावा, कोई भी सांसद सम्भावित दण्ड के भय से हाईकमान के खिलाफ जाने की हिम्मत नहीं करेगा।

- बिहार के सारण से भाजपा सांसद राजीव प्रताप रूडी ने कॉन्स्टिट्यूशन क्लब के सचिव पद के चुनाव में भाजपा के ही संजीव बाल्यान को सौ वोटों से हराया, जिन्हे कथित तौर पर अमित शाह समर्थित बताया जा रहा है।

क्लब के प्रशासनिक सचिव और कार्यकारी समिति के 11 पदों के चुनाव परिणाम तड़के 2 बजे घोषित किए गए।

इस चुनावी दिन की खास बात यह रही कि इसमें केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा, कांग्रेस की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे जैसी बड़ी हस्तियों ने वोट डाला। रूडी ने साबित कर दिया कि 78 साल पुराने क्लब में वे ही प्रभावशाली हैं।

रूडी को 391 वोट, जबकि बाल्यान को 291 वोट मिले।

जहां पांच बार के सांसद रूडी को पूरे विपक्ष (ग़ैर-भाजपा सांसद) का समर्थन प्राप्त था, वहीं बाल्यान को भाजपा के झारखंड की गोड्डा सीट से सांसद निशिकांत दुबे का खुला समर्थन था। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा भी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

दौसा हादसे के पीड़ितों को प्र.मंत्री ने सहायता घोषित की

नयी दिल्ली, 13 अगस्त। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राजस्थान के दौसा में एक हादसे में हुए जान-माल के नुकसान पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए पीड़ित परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की है।

प्रधानमंत्री ने इस हादसे में अपने प्रियजन खोने वाले लोगों के प्रति संवेदना व्यक्त की और घटना में मारे गये लोगों के परिजनों तथा घायलों को प्रधानमंत्री राहत कोष से सहायता राशि उपलब्ध कराने की घोषणा की।

- प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से मृतकों के परिजनों को दो लाख रु. तथा घायलों को 50,000 रु. दिए जाएंगे।

मोदी ने सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में कहा, राजस्थान के दौसा में हुए एक हादसे में हुई जान-माल की हानि से अत्यंत दु:खी हूँ। जिन परिवारों ने अपने प्रियजनों को खोया है, उनके प्रति संवेदना। घायलों के शीघ्र स्वस्थ

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

दर्दनाक दुर्घटना में एक परिवार के 7 बच्चों व 3 महिलाओं की मौत

उत्तर प्रदेश के एटा जिले के श्रद्धालु खाटूश्याम जी के दर्शन के बाद वापस लौट रहे थे

दौसा, 13 अगस्त। राजस्थान के दौसा जिले में बुधवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे में 11 लोगों की जान चली गई। सभी मृतक उत्तर प्रदेश के एटा जिले के रहने वाले थे और खाटूश्यामजी के दर्शन करके घर लौट रहे थे। हादसे में 7 मासूम बच्चों व 4 महिलाओं की मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलने के साथ ही, जिला कलेक्टर देवेन्द्र कुमार, पुलिस अधीक्षक सागर राणा सहित, अन्य अधिकारी सुबह तड़के ही रामकरण जोशी राजकीय जिला चिकित्सालय पहुंचे तथा घायलों की जानकारी ली। प्रदेश के कृषि मंत्री डॉ. किरोडीलाल मीणा, महवा विधायक राजेन्द्र मीणा सहित अन्य नेता भी चिकित्सालय पहुंचे।

पुलिस के अनुसार, यह हादसा सुबह करीब 3.30 बजे सैथल थाना क्षेत्र के बापी गांव के पास हुआ। श्रद्धालुओं से भरी पिकअप को पीछे से तेज रफ्तार से आ रहे कंटेनर ने टक्कर मार दी, 7 बच्चों व 4 महिलाओं की मौके पर ही मौत हो गई तथा शेष घायल हो गये। टक्कर इतनी भीषण थी कि लाशों के चिथड़े हो गए। मौके पर उपस्थित ग्रामीणों ने तत्काल इस घटना की जानकारी पुलिस को दी तथा घायलों को पिकअप से बाहर निकाला। सूचना मिलने के साथ ही, जिला कलेक्टर देवेन्द्र कुमार, पुलिस अधीक्षक सागर राणा, पुलिस उपाधीक्षक रवि प्रकाश शर्मा, कोतवाल सुधीर उपाध्याय, उपखण्ड अधिकारी मूलचंद लुणिया सहित दर्जनों अधिकारी चिकित्सालय पहुंचे।

- सुबह 3.30 बजे सैंथल थाना क्षेत्र के बापी गांव के पास श्रद्धालुओं से भरी पिकअप को पीछे से तेज रफ्तार से आ रहे कंटेनर ने टक्कर मार दी। सात बच्चों व 3 महिलाओं की मौके पर ही मौत हो गई।

हादसे के बाद घटनास्थल पर दिल दहला देने वाला नजारा था। सड़क पर जगह -जगह खून फैला हुआ था, चारों तरफ जूते- चप्पल और श्रद्धालुओं के सामान बिखरे पड़े थे। पिकअप में 22 से ज्यादा लोग सवार थे, जिनमें से 10 ने मौके पर ही दम तोड़ दिया, जबकि एक घायल ने जयपुर के सवाई मान सिंह एसएमएस अस्पताल में इलाज के दौरान जान गंवा दी।

मृतकों में पूर्वी 3 वर्ष, प्रियंका 25, दक्ष 12, शीला 35, महक 7, सलौनी 9, मिस्टी एक वर्ष, सीमा 25, अंशु 26 आदि शामिल हैं। सभी मृतक एक ही परिवार के हैं तथा असरोली पुलिस थाना देहात कोतवाली एटा, उत्तर प्रदेश के निवासी है। दौसा के जिला अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर घायलों को जयपुर के एसएमएस अस्पताल रेफर किया गया। पुलिस ने कंटेनर चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। शुरुआती जांच में बताया गया है कि हादसा तेज रफ्तार और लापरवाही से गाड़ी चलाने के कारण हुआ।

घटना की जानकारी मिलने के साथ ही, कृषि मंत्री डॉ. किरोडीलाल मीणा, महवा विधायक राजेन्द्र मीणा भी राजकीय जिला चिकित्सालय पहुंचे तथा घायलों से कुलशक्षेम पूछने के बाद चिकित्सालय

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

राहुल की बिहार में वोट अधिकार यात्रा

नयी दिल्ली, 13 अगस्त। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष तथा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी बिहार में मतदाता सूची पुनरीक्षण के खिलाफ 17 अगस्त से वोट अधिकार अभियान शुरु करेंगे, जिसमें इंडिया गठबंधन के नेता भी शामिल होंगे।

कांग्रेस महासचिव संगठन के सी वेणुगोपाल ने बुधवार को इसे लोकतंत्र की लड़ाई करार देते हुए कहा कि इस अभियान को जन आंदोलन बनाया जाएगा जिससे एक एक व्यक्ति के वोट के कीमती अधिकार और संविधान की रक्षा की जा सकेगी।

- राहुल गांधी 17 अगस्त रविवार से बिहार में यह यात्रा शुरु करेंगे जिसमें इंडिया गठबंधन के नेता भी शामिल होंगे।

वेणुगोपाल ने कहा, हमारे लोकतंत्र की रक्षा की लड़ाई सड़कों पर होगी और

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

जल परियोजनाओं की प्रगति रिपोर्ट हर 15 दिन में भेजें-भजनलाल

मुख्यमंत्री ने जल संसाधन विभाग की समीक्षा बैठक में नियमित मॉनिटरिंग पर जोर दिया

जयपुर, 13 अगस्त। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रदेश को पानी के क्षेत्र में पूर्ण रूप से आत्मनिर्भर बनाना हमारी प्राथमिकता है। इसके लिए राज्य सरकार ने अपने कार्यकाल की शुरूआत से ही विभिन्न महत्वपूर्ण जल एवं सिंचाई परियोजनाओं की पहल की है, जिससे प्रदेशवासियों को जल की उपलब्धता बढ़ सके। उन्होंने निर्देश दिए कि इन परियोजनाओं की नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित करते हुए, प्रत्येक 15 दिन में मुख्यमंत्री कार्यालय को प्रगति रिपोर्ट भेजी जाए। शर्मा बुधवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में जल संसाधन विभाग, इंदिरा गांधी नहर विभाग एवं सिंचित क्षेत्र विकास विभाग की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राज्य के विकास में पानी एक मूलभूत आवश्यकता है। जल की निर्बाध आपूर्ति से आमजन का जीवन सुगम होगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राम जलसेतु लिंक परियोजना राज्य सरकार की एक महत्वाकांक्षी परियोजना है, जिससे राज्य की एक बड़ी आबादी को निर्बाध जल आपूर्ति होगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि इस महत्वपूर्ण परियोजना की क्रियान्विति में अधिकारी अनावश्यक देरी न करें। धरातल पर काम दिखना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को इस परियोजना की प्रगति रिपोर्ट हर 15 दिन में मुख्यमंत्री कार्यालय में भेजने के निर्देश दिए।

- अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को बताया कि राणा प्रताप सागर बांध-ब्राह्मणी नदी से बीसलपुर बांध में जल अपवर्तन लिंक की डीपीआर तैयार करने के लिए कार्यादेश जारी किये जा चुके हैं।

बैठक में अधिकारियों ने बताया कि राणा प्रताप सागर बांध-ब्राह्मणी नदी से बीसलपुर बांध में जल अपवर्तन लिंक की डीपीआर तैयार करने के लिए कार्यादेश जारी किया जा चुका है। साथ ही, बीसलपुर बांध से बाणगंगा और रूपारेल नदी को जोड़े जाने संबंधी डीपीआर तैयार करने के लिए भी कार्यादेश जारी किया जा चुका है।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि परियोजनाओं को निर्धारित समय-सीमा में पूरा करें। उन्होंने स्पष्ट किया कि जनहित के किसी भी कार्य में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी तथा गैर-जिम्मेदार कार्मिकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी। मुख्यमंत्री ने इंदिरा गांधी नहर परियोजना की लिफ्ट नहरों की समीक्षा करते हुए कहा कि फव्वारा सिंचाई पद्धित को विशेष रूप से

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने जल संसाधन विभाग, इंदिरा गांधी नहर विभाग एवं सिंचित क्षेत्र विकास विभाग की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि इस महत्वपूर्ण परियोजना की क्रियान्विति में अधिकारी अनावश्यक देरी ना करें।

मुख्यमंत्री जोधपुर में झंडा फहरायेंगे

जयपुर, 13 अगस्त। 79वां राज्यस्तरीय स्वाधीनता दिवस समारोह जोधपुर में भव्यता और उल्लास के साथ मनाया जाएगा। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा स्वतंत्रता दिवस के मौके पर शुक्रवार को जोधपुर के बरकतुल्ला स्टेडियम में आयोजित होने वाले राज्य स्तरीय समारोह में सुबह 9 बज कर 5 मिनट पर झंडारोहण करेंगे। इससे पहले मख्यमंत्री सुबह 8:55 बजे जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय के पास शहीद स्मारक पर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे। मुख्यमंत्री स्वाधीनता दिवस समारोह की पूर्व संध्या पर जोधपुर के मेहरानगढ़ फोर्ट में एट होम, सम्राट अशोक उद्यान में सांस्कृतिक कार्यक्रम

- इस वर्ष स्वतंत्रता दिवस का राज्य स्तरीय समारोह जोधपुर के बरकतुल्ला स्टेडियम में आयोजित किया जायेगा।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

CMYK